परिशिष्ट

विद्यार्थी का पूरा नाम : *कक्षा:*

विद्यालय का पूरा नाम : *दिनांक:*

लिंग : *लडका / लडकी*

यह परीक्षण एम.एड. लघुशोध प्रबंध पूर्ण करने हेतू हैं। इस परीक्षण का बच्चोंकी परीक्षासे कोई संबंध नहीं हैं, बच्चों द्वारा दिए गये उत्तर केवल लघु शोध प्रबंध के लिए ही उपयोगी हैं।

वाचन परीक्षण

निर्देश :

१) कृपया अपने अपने स्थान पर बैठ जाइये।

२) उपर्युक्त दिए निर्देशानुसार अपना पूरा नाम, विद्यालय का नाम, लिंग, कक्षा एवं दिनांक लिखिये।

३) निम्न दिये वाक्यो को स्पष्ट एवं खुली आवाज में पढें।

वाक्यसूची

१) नौशेरवॉं फारस देश का एक प्रसिध्द बादशाह था।

२) हमारा देश १५ अगस्त १९४७ को स्वतंत्र हुआ।

३) स्वामी विवेकानंद भारत के युवा संन्यासी थे ।

४) गिरगिट ने कहा, " आप तो गणेशजी के वाहन हैं ।"

५) "बताओ, इस दुनिया में सबसे बडा कौन हैं ?"

६) घर-घर आइस्क्रिम, चॉकलेट आदि के डिब्बे रहते हैं ।

७) "बेटे, तुम भी सही, मैं भी सही ।"

८) पढना मैंने अभी कहाँ छोडा हैं, मीना ?

९) अब दुनिया में कोई भी तुम्हारा विश्वास नहीं करेगा ।

१०) एक दूना दो, दो दूना चार, चार दूना आठ।

लेखन परीक्षण

निर्देश : १) कृपया अपने अपने स्थान पर बैठ जाईयें।

२) लेखन करते समय स्पष्ट एवं शुध्द अक्षरो में लिखिए।

३) अनुच्छेद लिखते समय साथी की नकल न करें।

४) अनुच्छेद को सुनकर स्पष्टत: से लिखें।

अनुच्छेद :

लेखन परीक्षण

D-232

अनुच्छेद :-

कारखानों, इंजनों, मोटर-गाडियों, स्कूटरों, रसोईघरों आदि से निकला धुआँ बहुत वायु-प्रदूषण करता है। गंदी हवा से ऑख - नाक में खुजली होती है। धूल और धुआँ शहरों को गंदा करते हैं। अधिक धुएँ से दूर की वस्तु ठीक से नहीं दिखती, इसलिए दुर्घटनाएँ हो सकती हैं। हवाईजहाजों , मोटरों, रेल-इंजनों, लाऊडस्पिकरों आदि का शोर लोगों पर बुरा प्रभाव डालता है। शोर को 'डेसीबल' मे नापा जाता है। बडे शहरों मे शोर की औसत तीव्रता ७५ डेसीबल होती है। ८५ डेसीबल से ऊपर का शोर बहरापन पैदा करता है। हवाईपट्टियों के आसपास का शोर १०५ डेसीबल तक पहुँच जाता है।